

जन संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ

30प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, पैक्ट
वाल्मी भवन, सिंचाई विभाग,
उत्तर प्रदेश,
लखनऊ

प्रदेश में खतरे के निशान से ऊपर बह रही घाघरा, राप्ती एवं गण्डक नदी

तटबंधों के रिसाव व कटाव को रोकने एवं मरम्मत कार्य तेजी से शुरू

लखनऊ 16 अगस्त, 2017

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा आज जारी की गयी बाढ़ बुलेटिन रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में राप्ती, घाघरा एवं गण्डक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। तटबंधों पर संवेदनशीलता की स्थिति बनी हुई। तटबंधों के रिसाव एवं कटान को रोकने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

मुख्य अभियन्ता (गण्डक) गोरखपुर से मिली जानकारी के अनुसार नवलपरासी नेपाल राष्ट्र (महाराजगंज), बड़ी गण्डक एवं रोहिन नदी के स्पर सं० 12 एवं 13 में कटान हो कहा परन्तु तटबंध सुरक्षित तथा बाढ़ बचाव के कार्य करये जा रहे हैं। स्पर सं० 3, 4, एवं 5, पर कटान हो रहा है लेकिन तटबंध सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि रोहिन नदी पर अनन्तपुर बड़हरा तटबंध किमी० 4.10 एवं किमी० 6.20 पर टूट गया है। विभाग द्वारा बाढ़ राहत का कार्य कराया जा रहा है। जर्दी डोगरा रिंग बांध 1.20 पर लगभग 25 मी० की लम्बाई में रिसाव के कारण बल्डिहवा गांव के निकट टूट गया है।

सिद्धार्थनगर एवं गोरखपुर से मिली जानकारी के अनुसार घाघरा, राप्ती एवं गण्डक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। यहां पर स्थित संवेदनशील है। हावर्ट बांध पर स्थित होमिनगढ़ बांध पम्पिंग स्टेशन के रेगुरेटर से रिसाव एवं 9 किमी० के निकट कई स्थानों पर रिसाव हो रहा है तथा स्थिति संवेदनशील बनी हुई है।

मुख्य अभियन्ता बाराबंकी एवं गोण्डा से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोठरी गौरिया, सनावां तथा अंगरौरा के निकट सुरक्षात्मक कार्य प्रगति पर एवं तटबंध सुरक्षित है, घाघरा नदी खतरे के निशान से 132 सेमी० ऊपर बह रही है, कटाव निरोधक कार्य कराये जा रहे हैं एवं तटबंध की स्थिति अतिसंवेदनशील है।

मुख्य अभियन्ता सरयू प्रथम से मिली जानकारी के अनुसार गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर एवं बहराइच में घाघरा एवं राप्ती खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। एल्गिन ब्रिज चरसरी में घाघरा नदी खतरे के निशान से 123 सेमी० ऊपर बह रही है। तटबंध के 27.5 किमी० पर लगभग 30 मी० कट गया है और 9.800 एवं 10.800 किमी० पर क्षतिग्रस्त भागों का कट इण्ड 1 एवं 2 संवेदनशील है।